चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 13 कॉलम 3-6

हरियाणा में सुबह तोड़ी गईं सब्जियां शाम को खा सकेंगे सऊदी अरब के लोग

जागरण संवाददाता, हिसार : एयरपोर्ट को किस-किस रूप में इस्तेमाल के लिए विकसित किया जाए, इसलिए लिए सभी क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इसी कड़ी हिसार एयरपोर्ट को एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हब बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और जापान का एक डेलीगेशन सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी से मिला और इस संबंध में बातचीत की। भारत सरकार की देश में विदेशी निवेश बढ़ाने की एजेंसी इनवेस्ट इंडिया के नेतृत्व में जापान इस कार्य में सपोर्ट सिस्टम देने के रूप में संभावनाएं तलाश रहा है।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हरियाणा के किसानों को सब्जियां, फूल, डेयरी प्रोडक्ट बेचने में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कम बिक्री के कारण उनका खराब होना और औने-पौने दामों में बेचा जाना आम हो गया है। इन चीजों को अधिक समय पर स्टोर भी नहीं किया जा सकता। दिल्ली पर प्रेशर अधिक है। ऐसे में हिसार एयरपोर्ट को एक ऐसे बेस के रूप में तैयार करने की कोशिश है, जिससे किसानों की सब्जियां (या अन्य खाद्य पदार्थ) सुबह तोड़ी जाएं और शाम को यही ताजा सब्जियां सऊदी अरब के लोगों की प्लेट में हों। इससे न केवल सब्जियों की मांग बढ़ेगी, बल्किकिसानों को भी मुनाफा होगा। कुलपति के साथ हुई बैठक में इनवेस्ट इंडिया, एयरपोर्ट अथॉरिटी और जापान से आए सदस्य शामिल रहे।

एयरपोर्ट को एग्रीकल्चर हब बनाने का यह है कारण

कुलपति प्रो. केपी सिंह के अनुसार मुंबई को छोड़कर देश में अधिकांश एयरपोर्ट पूरी तरह से पैसेंजर एयरपोर्ट है। ऐसे में देश में खासकर उत्तर भारत में एक कमर्शियल एयरपोर्ट की दरकार है। वो भी ऐसी जगह जहां एग्रीकल्चर क्षेत्र व्यापक हो। हरियाणा इसके लिए सबसे उपयुक्त है। हरियाणा के साथ-साथ पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और यूपी तक को भी हिसार एयरपोर्ट का फायदा मिल सकेगा।

एचएयू ने इन सुविधाओं की सिफारिश की

- यहां बहुत बेहतर वेयर हाउस की जरूरत होगी।
- हाई टेक कोल्ड चेन विकसित करनी होगी।
- एग्रीकल्चरल ई-मार्ट को बढ़ावा देने की जरूरत।
- इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करने के लिए प्रोफेशनल कंपनियां आएं।

मुख्य रूप से इन उत्पादों का हो सकेगा निर्यात

- सब्जियां, • फल, • फूल, • प्लांट, • मेडिसन प्लांट, • डेयरी प्रोडक्ट, • फ्रेस फिश, • सीड, • टिश्यू कल्चर, • ग्राफ्टिंग प्लांट आदि

ये होंगे फायदे

- एग्रीकल्चर प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज को बढ़ावा मिलेगा।
- हिसार उत्तर भारत का कॉमर्शियल हब बन जाएगा।
- खाड़ी देशों में निर्यात होगा, किसानों की आय कई गुणा बढ़ जाएगी।
- किसानों के सभी तरह के उत्पाद हाथों-हाथ बिकेंगे।

खेतों से ऊंचे दामों में उठेंगी सब्जियां : हिसार एयरपोर्ट को एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हब बनाने के बाद एग्रीकल्चर सेक्टर का तेजी से डेवलप होना लाजिमी है। एग्रीकल्चर हब बनने के बाद हरियाणा से ताजा खाद्य पदार्थों का एक्सपोर्ट बढ़ेगा। उदाहरण के तौर पर अगले पांच सालों में किसान खेत में सब्जियां उगाएगा और कंपनी स्वयं उसके खेत में आकर ऊंचे दामों में सब्जियां खरीदेगी। इन सब्जियों को विदेशों के अलावा देश के अलग-अगल हिस्सों में एक्सपोर्ट किया जा सकेगा। इससे कांट्रेक्चुअल फार्मिंग को भी बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 1-2

दौरा • दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी से जुड़े लोग भी दल में शामिल

एयरपोर्ट पर आयात-निर्यात का स्कोप देखने पहुंचा जापान की कंपनी का दल

भास्कर न्यूज | हिसार

हिसार एयरपोर्ट को व्यापारिक कॉरीडोर बनाने के लिए निवेशकों का आना शुरू हो चुका है। सोमवार को जापान की कंपनी मिस्तीबुशी से जुड़े निवेशकों का एक दल हिसार में पहुंचा। इसमें दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी से लेकर इन्वेस्ट इंडिया से भी प्रतिनिधि मौजूद रहे। निवेशकों का हिसार पहुंचने का मुख्य उद्देश्य हिसार एविएशन हब बनने के बाद मुख्य रूप से आयात-निर्यात का स्कोप जानने से जुड़ा रहा। दल ने सबसे पहले एयरपोर्ट की प्रगति को जाना। इसके बाद हिसार के संबंध में जानकारी जुटाई। इसके बाद यह दल दोपहर को एचएयू में कुलपति प्रो. केपी सिंह से भी मिला। यहां कृषि और बागवानी क्षेत्र के विस्तार और आयात निर्यात के बारे में जानकारी जुटा कर एनालिसिस किया। सूत्रों की मानें तो करीब 10 दिन बाद जापान की सरकार की तरफ से आधिकारिक रूप से कंपनियों का दल हिसार आएगा। वह हिसार में निवेश की संभावना तलाशेगा।

कृषि और बागवानी के क्षेत्र को क्यों दी प्रमुखता : कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि हिसार में पर्यटन और पैसेंजर सेग्मेंट में अभी अधिक स्कोप नहीं है। कुछ वर्षों बाद हो सकता है यह सेक्टर भी बदले। मगर हिसार को एविएशन हब बनाने के लिए अथॉरिटी और एचएयू ने कृषि और बागवानी प्रोडक्ट्स के आयात निर्यात पर फोकस किया है। हमारा उद्देश्य है कि हिसार और आसपास के जिलों और राज्यों से एग्रीकल्चर प्रोडक्ट गल्फ या दूसरे देशों में 24 घंटे से भी कम समय में पहुंचाए जाएं, ताकि विदेशों में लोगों को फ्रेश खाद्य सामग्री मिले।

मिस्तीबुशी कंपनी के प्रतिनिधि, दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी के पदाधिकारी वीसी प्रो. केपी सिंह से बात करते हुए।

यह एग्री प्रोडक्ट विदेश में भेजे जा सकेंगे

हिसार से टिश्यू कल्चर प्लांट, सीड्स, फल, सब्जियां, दवाइयां, केमिकल आदि सामान को आसानी से बिना समय बर्बाद किए विदेशों में भेजा जा सकता है। इसके साथ ही कूल कोल्ड चैन के प्रोजेक्ट को डिवेलप करने की संभावना। ताकि आगे जब एविएशन हब बने तो विभिन्न स्थानों से आने वाली फूड प्रोडक्ट को स्टोर किया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2.5

किसानों को मिल सकते हैं नए उत्पाद, स्पेन की कंपनी और एचएयू के बीच हो सकता है करार

विदेशी शिष्टमंडल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति से की मुलाकात

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है। स्पेन की अल्गा एनजी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रेजिडेंट डा. री वागरेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की।

उन्होंने फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडेंट-एशिया पेसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डा. लोकेश सिंह शामिल थे। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचान करना था। जिससे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी बनाकर किसानों के साथ साझा किया जा सके। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जाएगा। उधर, डा. वागरेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नये प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान हेतु बहुत सकारात्मक थी।

स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक में कुलपति प्रो. केपी सिंह। • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

सहयोग के लिए बढ़ाया हाथ • स्पेन से आए प्रतिनिधिमंडल ने एचएयू में भ्रमण कर एकत्रित की संसाधनों की जानकारियां

फसलों की गुणवत्ता बढ़ाने को स्पेन की कंपनी के साथ काम करेगा एचएयू

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है। स्पेन की अल्गा एनर्जी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रेजिडेंट डॉ. री वाग्रेर के नेतृत्व में एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की। इसमें फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए एचएयू का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डिवेलपमेंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडेंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल रहे।

एचएयू में सोमवार को स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक में कुलपति प्रो. केपी सिंह।

तकनीक का प्रयोग कर नई उपलब्धि हासिल करना: वीसी

कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचाना करना था, ताकि एचएयू और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ सांझा किया जा सके। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जाएगा।

सूक्ष्म शैवाल विज्ञान में काम करती है अल्गा एनर्जी

अल्गा एनर्जी एक जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रोअल्गे (सूक्ष्म शैवाल) के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है। इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालयों में माइक्रोअल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एण्ड डिवेलपमेंट (आरएण्डडी) में अत्यधिक संसाधनों का निवेश किया है। इस कंपनी का मिशन माइक्रोअल्गे से नवीन उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का विकास और उनका व्यवसायीकरण करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम वीर भूमि
दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 2-6

इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रैजिडैंट ने वीसी प्रो. केपी सिंह से की मुलाकात

स्पेन ने प्राकृतिक उत्पादों को लेकर दिया हकृवि को ऑफर

■ प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग को बढ़ाने के लिए हकृवि का सहयोग करने की पेशकश की

हरिभूमि न्यूज ▸▸। हिसार

हकृवि विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है। स्पेन की अल्गा एनजी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रैजिडैंट डॉ. री वाग्नेर के नेतृत्व में विवि कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की और फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हकृवि का सहयोग करने की पेशकश की।

शिष्टमंडल में उपरोक्त कम्पनी की बिजनेस डेवेलपमेंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडेंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल थे।

हिसार। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचाना करना था, ताकि हकृवि और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ सांझा किया जा सके।

उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जायेगा।

उधर, डॉ. वाग्नेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नये प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान हेतु बहुत सकारात्मक थी। मुझे हकृवि के साथ दीर्घकालिक संबंध बनने की आशा है।

अत्याधिक संसाधनों का निवेश किया है

यहां बता दें कि अल्गा एनर्जी एक जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रोअल्गे सूक्ष्म शैवाल के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है। इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालयों में माइक्रोअल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एण्ड डैवलपमैंट में अत्याधिक संसाधनों का निवेश किया है। इस कंपनी का मिशन माइक्रोअल्गे से नवीन उगा गुणवत्ता वाले उत्पादों का विकास और उनका व्यवसायीकरण करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-8

कृषि

फसलों की पैदावार एवं उनकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सहयोग करने की पेशकश की

स्पेनिश कंपनी के शिष्टमंडल ने एचएयू के वीसी से की मुलाकात

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है।

स्पेन की अल्गा एनर्जी कंपनी के शिष्टमंडल ने इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रेसिडेंट डॉ. री वाग्रेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की और फसलों की पैदावार एवं उनकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेसिडेंट एशिया पेसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल थे। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचान करना था, ताकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ साझा किया जा सके।

स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक करते एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह। -अमर उजाला

उन्होंने कहा कि इस कार्य को सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जाएगा। वहीं डॉ. वाग्रेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नए प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान के लिए बहुत सकारात्मक थी। उन्हें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालिक संबंध बनने की आशा है।

यहां बता दें कि अल्गा एनर्जी एक जैव प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रो अल्गे (सूक्ष्म शैवाल) के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है।

इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालयों में माइक्रो अल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एंड डेवलपमेंट में अत्यधिक संसाधनों का निवेश किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पँजाब केसरी

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-4

स्पेन की अल्गा कम्पनी के शिष्टमंडल ने की हकृवि कुलपति से मुलाकात

हिसार, 20 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कम्पनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है।

स्पेन की अल्गा एनजी कम्पनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनैशनल एग्रीबिजनेस प्रैजीडैंट डा. री वाग्रेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ मुलाकात की और फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनैस

स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक में कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

डिवैल्पमैंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रैजीडैंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डा. लोकेश सिंह शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नभ छोर ....

दिनांक 20.5.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-4

फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने हेतु हकृवि को स्पेन की कंपनी की पेशकश

हिसार/20 मई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है। स्पेन की अल्गा एनर्जी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रैजिडैंट डॉ. री वाग्रेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की और फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डेवलपमैंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडैंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल थे। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचान करना था, ताकि विश्वविद्यालय और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ सांझा किया जा सके। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जायेगा। उधर, डॉ. वाग्रेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नये प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान हेतु बहुत सकारात्मक थी। बता दें कि अल्गा एनर्जी एक जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रोअल्गे (सूक्ष्म शैवाल) के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है। इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालयों में माइक्रोअल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एण्ड डैवलपमैंट (आरएण्डडी) में अत्याधिक संसाधनों का निवेश किया है। इस कंपनी का मिशन माइक्रोअल्गे से नवीन उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का विकास और उनका व्यवसायीकरण करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पाठक पक्ष....
दिनांक 20.5.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....6-8....

हकृवि करेगा फसलों की उपज बढ़ाने के लिए स्पेन की कम्पनी के साथ मिलकर काम

हिसार, 20 मई (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है। स्पेन की अल्गा एनर्जी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रैजिडेंट डॉ. री वाग्रेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह के साथ मुलाकात की और फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डेवलपमैंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडैंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल थे। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी

तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल की पहचाना करना था, ताकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ सांझा किया जा सके। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जायेगा। उधर, डॉ. वाग्रेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नये प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान हेतु बहुत सकारात्मक थी। मुझे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालिक संबंध बनने की आशा है। यहां बता दें कि अल्गा एनर्जी एक जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रोअल्गे (सूक्ष्म शैवाल) के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है। इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालययों में माइक्रोअल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एण्ड डैवलपमैंट (आर एण्ड डी) में अत्याधिक संसाधनों का निवेश किया है। इस कंपनी का मिशन माइक्रोअल्गे से नवीन उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का विकास और उनका व्यवसायीकरण करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स..........

दिनांक 21.5.2019 पृष्ठ सं. ....3..... कॉलम ....2-5.......

बैठक | शिष्टमंडल ने कुलपति केपी सिंह से भेंट कर की सहयोग की पेशकश

पैदावार और उसकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी पहुंची हकृवि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विभिन्न फसलों की उपज और उसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्पेन की कंपनी के साथ मिलकर अभिनव प्राकृतिक उत्पाद किसानों को मुहैया करा सकता है।

स्पेन की अल्गा एनर्जी कंपनी के एक शिष्टमंडल ने कंपनी के इंटरनेशनल एग्रीबिजनेस प्रेजिडेंट डॉ. री वाग्रेर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ मुलाकात की और फसलों की पैदावार और उसकी गुणवत्ता को प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग से बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का सहयोग करने की पेशकश की। शिष्टमंडल में उपरोक्त कंपनी की बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर कार्मेला, वाइस-प्रेजीडेंट-एशिया पैसिफिक देवव्रत सरकार और कंट्री मैनेजर डॉ. लोकेश सिंह शामिल थे।

हिसार। स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक में कुलपति प्रो. केपी सिंह।

स्पेनिश शिष्टमंडल के साथ बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि इस बैठक का उद्देश्य आपसी तालमेल और संयुक्त दृष्टिकोण मॉडल को पहचाना करना था, ताकि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और अल्गा एनर्जी की तकनीकों को मिलाकर और अधिक प्रभावकारी व दीर्घकालिक बनाकर किसानों के साथ सांझा किया जा सके। उन्होंने कहा इस कार्य के लिए सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करके आगे बढ़ा जाएगा।

उधर, डॉ. वाग्रेर ने कहा कि कुलपति के साथ बैठक भारत के किसानों के लिए विभिन्न फसलों की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से नये प्राकृतिक उत्पाद नवाचारों के निर्माण के अवसरों की पहचान के लिए बहुत सकारात्मक थी। मुझे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालिक संबंध बनने की आशा है।

यहां बता दें कि अल्गा एनर्जी एक जैव-प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है जो माइक्रोअल्गे (सूक्ष्म शैवाल) के विज्ञान में विशिष्ट पहचान रखती है। इस कंपनी ने चार दशकों से अधिक समय में विशिष्ट विश्वविद्यालयों में माइक्रोअल्गे से संबंधित उत्पन्न अत्याधुनिक ज्ञान का संग्रह किया है और रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट (आर एण्ड डी) में अत्यधिक संसाधनों का निवेश किया है। इस कंपनी का मिशन माइक्रोअल्गे से नवीन उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का विकास और उनका व्यवसायीकरण करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 20.5.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-6

एचएयू ने कौल व बावल स्थित कालेजों में शुरू की एमएससी और पीएचडी, 27 सीटें रखीं

सभी कोर्सों में दाखिले के लिए कल तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए एमएससी और पीएचडी में दाखिला लेना आसान हो गया है। विश्वविद्यालय ने एग्रीकल्चर की एमएससी और पीएचडी की कुल 27 सीटें बढ़ा दी हैं। इन सीटों पर विश्वविद्यालय के कौल और बावल स्थित कालेजों में दाखिले होंगे। इनमें से 18 सीटें एमएससी और 12 सीटें पीएचडी की हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार कैथल के कौल और रेवाड़ी के बावल में स्थित दोनों एग्रीकल्चर कालेजों में दाखिले इसी सत्र से किए जा रहे हैं। कौल स्थित कालेज में एमएससी की छह और पीएचडी की तीन सीटें रखी गई हैं, जबकि बावल में एमएससी की 12 और पीएचडी की छह सीटें हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार विश्वविद्यालय में प्रदेशभर से विद्यार्थी यहां शिक्षा के लिए आते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों के पास नजदीक में शिक्षा ग्रहण करने एवं अनुसंधान करने का अवसर रहेगा। उन क्षेत्रों के विद्यार्थी वहां की समस्याओं को बेहतर तरीके से समझकर उन पर काम कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में एमएससी और पीएचडी सहित सभी कोर्सों में दाखिले की अंतिम तिथि 21 मई है।

बावल ड्राई और कौल है राइस जोन : एचएयू के दोनों कालेज प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हैं। कैथल के कौल में चावल पर रिसर्च करने को लेकर अधिक फोकस रहता है, जबकि रेवाड़ी का बावल ड्राई एरिया होने के कारण यहां पर इसी के अनुसार दलहन व अन्य फसलों पर रिसर्च होती है। विश्वविद्यालय कैंपस से बाहर विश्वविद्यालय के यही दो कालेज हैं। कौल कालेज की स्थापना 1971 में हुई थी। यहां पर और बावल कॉलेज की स्थापना 2017 में की गई थी। यहां बीएससी एग्रीकल्चर कोर्स पहले से ही चल रहे हैं।

कालेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल : एग्रोनॉमी
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

सॉयल साइंस
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

कालेज ऑफ एग्रीकल्चर बावल : एग्रोनॉमी
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

सॉयल साइंस
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

प्लांट पैथोलॉजी
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

हॉर्टिकल्चर
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

फोरेस्टरी
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

एंटमलॉजी
- एमएससी - 2
- पीएचडी - 1

एचएयू में इन कोर्सों में हो रहे दाखिले

एचएयू में सत्र 2019-20 शैक्षणिक सत्र में बीएससी (आनर्स) एग्रीकल्चर चार वर्षीय, बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर छह वर्षीय, बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी सांइस चार वर्षीय, बीटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, एमएससी एग्रीकल्चर, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी, फूड साइंस एंड टेक्नॉलोजी, होम साइंस, एमटेक एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के अतिरिक्त एमबीए (जनरल) व एमबीए (एग्रो बिजनेस) पाठ्यक्रमों में दाखिले जारी हैं। इनके अतिरिक्त विभिन्न संकायों में पीएचडी पाठ्यक्रम और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्यूनिकेशन स्किल इन इंग्लिश, इंग्लिश हिन्दी ट्रांसलेशन और रिमोट सेंसिंग एंड जियोग्रॉफिकल इंफॉमेशन सिस्टम में भी दाखिले हो रहे हैं।

आवेदन कल तक, प्रवेश परीक्षा आठ जून और 7 जुलाई को

बीएससी (आनर्ज) एग्रीकल्चर चार वर्षीय पाठ्यक्रम और एमएससी एग्रीकल्चर और एमएससी होम साइंस के लिए प्रवेश परीक्षा 8 जून को होगी। जबकि एमबीए और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 7 जुलाई को होगी। बीटेक (एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग) में दाखिला हरियाणा स्टेट काउंसिलिंग सोसाइटी द्वारा ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम में मेरिट के आधार पर होंगे। जबकि एमबीए में कैट/सीमैट स्कोर के आधार पर होगा।